Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies,
Online ISSN 2278-8808, SJIF 2016 = 6.17, www.srjis.com
UGC Approved Sr. No.49366, JAN–FEB, 2018, VOL- 5/43

सयुंक्त एवं एकल परिवार के स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन

रेखा राणा, Ph. D.

एसोशियेट प्रो0, शिक्षा विभाग, मेरठ कॉलिज मेरठ

Abstract

प्रस्तुत अध्ययन में मेरठ जिले के संयुक्त एवं एकल परिवार के स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के विभिन्न मूल्यों की परस्पर तुलना करने का प्रयास किया गया है। न्यादर्श के रूप में 100 विद्यार्थियों (छात्र/छात्रायें) का सोद्देश्य चयन का विधि से चुनाव किया गया। आँकड़ों के संकलन हेतू डा0 जी. पी. शैरी एवं डा0 आर. पी. वर्मा निर्मित पी. वी. क्यू – एस. वी (P.V.Q – SV) का प्रयोग किया गया है। प्राप्त परिणामों के अनुसार संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों के सामाजिक मूल्य अधिक तथा एकल परिवार के विद्यार्थियों के आर्थिक मूल्य अधिक पाये गये।

मुख्य शब्द – संयुक्त एवं एकल परिवार, मूल्य

Scholarly Research Journal's is licensed Based on a work at www.srjis.com

प्रस्तावना –

बालक के जीवन को प्रभावित करने वाली प्राथमिक एवं महत्वपूर्ण संस्था परिवार है, जहाँ पर इसे सुरक्षा और विश्वास का अनुभव होता है। पारिवारिक सदस्यों से सुनी कहानियाँ, प्रेमपूर्ण व्यवहार परम्पराएं, रीति–रिवाज न केवल सुखद यादें व पारिवारिक विरासत देते हैं वरन् जीवन के पथ पर अग्रसर होने का मार्ग प्रशस्त करते ही इसी कारण परिवार को बालक की प्रथम पाठशाला के रूप में जाना जाता है। जहाँ बालक को प्रारम्भ से ही मूल्यों को अंगीकृत करने के अवसर प्राप्त होते है।

जिस वातावरण में बालक समय व्यतीत करता है उसका प्रभाव किसी न किसी रूप में उसके व्यवहार द्वारा प्रदर्शित होता है। यदि परिवार समुदाय एवं विद्यालय अपना कार्य सुचारू रूप से करे तो एक सफल एवं सुखी जीवन जीने की सम्भावना में वृद्धि हो जाती है।

बालक की वृद्धि एवं विकास पर अनेक कारकों में से एक परिवार का बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है। भारतीय समाज में संयुक्त परिवारों की परम्परा रही है किन्तु पिछले कुछ दशकों से आर्थिक, सामाजिक तथा अन्य कारणों से एकल परिवारों का चलन बढ़ा है। मानव जीवन में मूल्यों का बहुत अधिक महत्व है। यह मूल्य वह अपने जीवन के प्रारम्भिक वर्षो में ही सीखने लगता है और धीरे–धीरे अपने अंतर में ग्रहण कर लेता है। यदि उसका पालन–पोषण उत्तम वातावरण में हुआ है जहाँ उच्च नैतिक मूल्य जीवन के लक्ष्य प्रतिपादित होते हैं तो वह उन्हें अपने अंतर में आत्मसात कर लेता है और यदि ऐसा नहीं है तो या

तो वह किन्ही भी मूल्यों को ग्रहण नहीं कर पाता है या निम्न श्रेणी के मूल्यों को अपने जीवन का आधार बना लेता है। मूल्यों की श्रेष्ठता निर्धारित करने तथा उन्हें आत्मसात करने में परिवार का बहुत बड़ा योगदान है।

भारतीय परिवारों में सदस्यों के पारस्परिक सम्बन्धों का बालकों के व्यक्तित्व, शिक्षा, भावनाओं तथा उपलब्धियों पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है। हमारे अधिकांश ग्रामीण परिवार संयुक्त होते हैं जिनमें जहाँ बच्चों को अत्यधिक स्नेह मिलता है उनमें भाईचारे, सहयोग की भावना विकसित होती है, उनका सामाजिकरण होता है। बच्चों में सबके साथ समायोजित होने की क्षमता विकसित होती है, उनमें सबके लिए व सब एक के लिए की भावना विकसित होती है और उनमें रिश्तों की समझ विकसित होती है। वहीं संयुक्त परिवार में कई दोष भी है जैसे–बाल–विकास का विरोधी है क्योंकि संयुक्त परिवार में बालको को एक निरंकुश सत्ता के आधीन रहना पड़ता है, परिवार के सदस्यों की संख्या अधिक होने के कारण बालकों पर उचित ध्यान नहीं दिया जाता और बड़े–बूढो की मनमर्जी के आगे छोटो को झुकना पड़ता है तथा प्रतिभाशाली बालकों की स्वास्थ्य व शिक्षा की आवश्यकताओं पर पूरी तरह से ध्यान नहीं दिया जाता है। ऐसे परिवारों में आपसी ईर्ष्या, द्वेष तथा झगड़ों के कारण आजकल प्रायः क्षुब्ध वातावरण रहता है। यही कारण है कि आजकल बहुत से परिवार एकाकी बनते जा रहे हैं। बंसल (2014)

आजकल बहुत–से परिवार एकाकी परिवार बनकर ही अलग–अलग रहना चाहते है। जिससे बच्चों का पालन–पोषण अधिक उन्मुक्त वातावरण में हो सके। लेकिन एकाकी परिवारों में भी कई बार सूनापन रहता है। विशेषकर जबकि पति–पत्नि दोनों बाहर नौकरी करने जाते है। ऐसे परिवारों में बड़े–बूढ़ों या अन्य सगे सम्बन्धियों के न होने के कारण बालकों का न तो स्वस्थ सामाजिक विकास हो पाता है और न ही उनके ज्ञान की समुचित अभिवृद्धि हो पाती है। यह भी देखने में आता है कि एकल परिवारों में बालकों एवं माता–पिता के सामाजिक मूल्यों में अन्तर प्रदर्शित होता ही बहादुर एवं धवन (2008).

अध्ययन के उद्देश्य

1. संयुक्त एवं एकल परिवार के विद्यार्थियों के धार्मिक मूल्य का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. संयुक्त एवं एकल परिवार के विद्यार्थियों के सामाजिक मूल्य का तुलनात्मक अध्ययन करना।
3. संयुक्त एवं एकल परिवार के विद्यार्थियों के जनतांत्रिक मूल्य का तुलनात्मक अध्ययन करना।
4. संयुक्त एवं एकल परिवार के विद्यार्थियों के सौन्दर्यात्मक मूल्य का तुलनात्मक अध्ययन करना।
5. संयुक्त एवं एकल परिवार के विद्यार्थियों के आर्थिक मूल्य का तुलनात्मक अध्ययन करना।
6. संयुक्त एवं एकल परिवार के विद्यार्थियों के ज्ञानात्मक मूल्य का तुलनात्मक अध्ययन करना।
7. संयुक्त एवं एकल परिवार के विद्यार्थियों के आनन्द मूल्य का तुलनात्मक अध्ययन करना।
8. संयुक्त एवं एकल परिवार के विद्यार्थियों के सत्ता मूल्य का तुलनात्मक अध्ययन करना।

Copyright © 2018, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

9. संयुक्त एवं एकल परिवार के विद्यार्थियों के परिवार प्रतिष्ठा मूल्य का तुलनात्मक अध्ययन करना।
10. संयुक्त एवं एकल परिवार के विद्यार्थियों के स्वास्थ्य मूल्य का तुलनात्मक अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पनाएँ

1. संयुक्त एवं एकल परिवार के विद्यार्थियों के धार्मिक मूल्य में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।
2. संयुक्त एवं एकल परिवार के विद्यार्थियों के सामाजिक मूल्य में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।
3. संयुक्त एवं एकल परिवार के विद्यार्थियों के जनतांत्रिक मूल्य में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।
4. संयुक्त एवं एकल परिवार के विद्यार्थियों के सौन्दर्यात्मक मूल्य में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।
5. संयुक्त एवं एकल परिवार के विद्यार्थियों के आर्थिक मूल्य में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।
6. संयुक्त एवं एकल परिवार के विद्यार्थियों के ज्ञानात्मक मूल्य में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।
7. संयुक्त एवं एकल परिवार के विद्यार्थियों के आनन्द मूल्य में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।
8. संयुक्त एवं एकल परिवार के विद्यार्थियों के सत्ता मूल्य में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।
9. संयुक्त एवं एकल परिवार के विद्यार्थियों के परिवार प्रतिष्ठा मूल्य में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।
10. संयुक्त एवं एकल परिवार के विद्यार्थियों के स्वास्थ्य मूल्य में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।

तालिका नं0 – 1.1

''संयुक्त एवं एकल परिवार के विद्यार्थियों के धार्मिक मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन''

वर्ग	कुल संख्या (N)	मध्यमान (M)	प्र0 विचलन (SD)	टी मान (t)	स्वीकृत/अस्वीकृत
सं0 प0 विद्यार्थी	30	12.9	3.28	0.125	स्वीकृत
ए0 प0 विद्यार्थी	30	12.8	2.92		

तालिका नं0 – 1.2

''संयुक्त एवं एकल परिवार के विद्यार्थियों के सामाजिक मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन''

वर्ग	कुल संख्या (N)	मध्यमान (M)	प्र0 विचलन (SD)	टी मान (t)	स्वीकृत/अस्वीकृत
सं0 प0 विद्यार्थी	30	16.4	2.9	2.44	0.5 स्तर पर स्वीकृत तथा 0.01 स्तर पर अस्वीकृत
ए0 प0 विद्यार्थी	30	14.6	2.8		

Copyright © 2018, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

तालिका नं0 – 1.3

''संयुक्त एवं एकल परिवार के विद्यार्थियों के जनतांत्रिक मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन''

वर्ग	कुल संख्या (N)	मध्यमान (M)	प्र0 विचलन (SD)	टी मान (t)	स्वीकृत/अस्वीकृत
सं0 प0 विद्यार्थी	30	15.3	2.9	0.59	स्वीकृत
ए0 प0 विद्यार्थी	30	14.8	2.7		

तालिका नं0 – 1.4

''संयुक्त एवं एकल परिवार के विद्यार्थियों के सौन्दर्यात्मक मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन''

वर्ग	कुल संख्या (N)	मध्यमान (M)	प्र0 विचलन (SD)	टी मान (t)	स्वीकृत/अस्वीकृत
सं0 प0 विद्यार्थी	30	10.6	3.05	0.192	स्वीकृत
ए0 प0 विद्यार्थी	30	10.8	2.98		

तालिका नं0 – 1.5

''संयुक्त एवं एकल परिवार के विद्यार्थियों के आर्थिक मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन''

वर्ग	कुल संख्या (N)	मध्यमान (M)	प्र0 विचलन (SD)	टी मान (t)	स्वीकृत/अस्वीकृत
सं0 प0 विद्यार्थी	30	8.4	2.86	2.60	अस्वीकृत
ए0 प0 विद्यार्थी	30	10.4	2.8		

तालिका नं0 – 1.6

''संयुक्त एवं एकल परिवार के विद्यार्थियों के ज्ञानात्मक मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन''

वर्ग	कुल संख्या (N)	मध्यमान (M)	प्र0 विचलन (SD)	टी मान (t)	स्वीकृत/अस्वीकृत
सं0 प0 विद्यार्थी	30	15.3	2.8	2.19	0.05 स्तर पर स्वीकृत व 0.01 स्तर पर अस्वीकृत
ए0 प0 विद्यार्थी	30	13.6	2.9		

Copyright © 2018, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

तालिका नं0 – 1.7

"संयुक्त एवं एकल परिवार के विद्यार्थियों के आनन्द मूल्य का तुलनात्मक अध्ययन"

वर्ग	कुल संख्या **(N)**	मध्यमान **(M)**	प्र0 विचलन **(SD)**	टी मान **(t)**	स्वीकृत/अस्वीकृत
सं0 प0 विद्यार्थी	30	9.5	3.1	0.24	स्वीकृत
ए0 प0 विद्यार्थी	30	9.7	3.3		

तालिका नं0 – 1.8

"संयुक्त एवं एकल परिवार के विद्यार्थियों के सत्ता मूल्य का तुलनात्मक अध्ययन"

वर्ग	कुल संख्या **(N)**	मध्यमान **(M)**	प्र0 विचलन **(SD)**	टी मान **(t)**	स्वीकृत/अस्वीकृत
सं0 प0 विद्यार्थी	30	8.9	2.7	0.27	स्वीकृत
ए0 प0 विद्यार्थी	30	9.1	2.9		

तालिका नं0 – 1.9

"संयुक्त एवं एकल परिवार के विद्यार्थियों के पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्य का तुलनात्मक अध्ययन"

वर्ग	कुल संख्या **(N)**	मध्यमान **(M)**	प्र0 विचलन **(SD)**	टी मान **(t)**	स्वीकृत/अस्वीकृत
सं0 प0 विद्यार्थी	30	11.8	2.2	0.33	स्वीकृत
ए0 प0 विद्यार्थी	30	11.6	2.4		

तालिका नं0 – 1.10

"संयुक्त एवं एकल परिवार के विद्यार्थियों के स्वास्थ्य मूल्य का तुलनात्मक अध्ययन"

वर्ग	कुल संख्या **(N)**	मध्यमान **(M)**	प्र0 विचलन **(SD)**	टी मान **(t)**	स्वीकृत/अस्वीकृत
सं0 प0 विद्यार्थी	30	11.2	2.8	0.40	स्वीकृत
ए0 प0 विद्यार्थी	30	11.5	2.9		

Copyright © 2018, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

शोध परिणाम –

- ❖ संयुक्त एवं एकल परिवार के विद्यार्थियों के धार्मिक मूल्य में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।
- ❖ संयुक्त एवं एकल परिवार के विद्यार्थियों के सामाजिक मूल्य में आंशिक अन्तर होता है। संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों का सामाजिक मूल्य एकल परिवार के विद्यार्थियों से आंशिक रूप से अधिक होता है।
- ❖ संयुक्त एवं एकल परिवार के विद्यार्थियों के जनतांत्रिक मूल्य में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।
- ❖ संयुक्त एवं एकल परिवार के विद्यार्थियों के सौन्दर्यात्मक मूल्य में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।
- ❖ संयुक्त एवं एकल परिवार के विद्यार्थियों के आर्थिक मूल्य में सार्थक अन्तर होता है। संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों का आर्थिक मूल्य एकल परिवार के विद्यार्थियों से कम होता है।
- ❖ संयुक्त एवं एकल परिवार के विद्यार्थियों के ज्ञानात्मक मूल्य में आंशिक अन्तर होता है। संयुक्त परिवार के विद्यार्थियों का ज्ञानात्मक मूल्य एकल परिवार के विद्यार्थियों से आंशिक रूप से अधिक होता है।
- ❖ संयुक्त एवं एकल परिवार के विद्यार्थियों के आनन्द मूल्य में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।
- ❖ संयुक्त एवं एकल परिवार के विद्यार्थियों के सत्ता मूल्य में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।
- ❖ संयुक्त एवं एकल परिवार के विद्यार्थियों के पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्य में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।
- ❖ संयुक्त एवं एकल परिवार के विद्यार्थियों के स्वास्थ्य मूल्य में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

बहादुर, ए, एंड धवन, एन (2008) सोशल वैल्यू आफ पेरेन्ट्स एडं चिल्ड्रेन इन जॉइन्ट एन्ड न्यूक्लियर फैमिलीज. जे इन्डियन एकेड, अपलः साइक्लो.

बंसल, एस. बी. एट अल. 2014. ए स्टडी टू कम्पेयर वेरियस आसपेक्ट ऑफ मेम्बर्स ऑफ जाइंट एंड न्यूक्लियर फैमिली, जनरल ऑफ इनोन्यूशन ऑफ मेडिकल एंड डेन्टल साइन्स, वोल्यूम 3 इश्यू:3

ढल, आई. एडं खत्री, एन. 2002 : ''इफेक्ट आफ वैल्यू क्लैरिफिकेशन ऑन मॉरल रीजनिंग ऑफ चिल्ड्रेन इन रिलेशन टू पैरेन्टल एटीटयूड.'' जरनल ऑफ वैल्यू एजूकेशन वोल्यूम.2, नं0 2

गोरे, एम, (1968). अरबनाइजेशन एण्ड फैमली चेंज, पापूलर प्रकाशन, बाम्बे

निरहत. ए, (2013). इवैल्यूएशन ऑफ द जॉइंट फैमली सिस्टम एज ए मेजर कॉज़ ऑफ डिप्रेशन उमंग मैरिड वूमन इन सिंघ, इन्टरडिसीप्लीवरी जरनल आफ कटेम्परेरी रिसर्च इन बिजनेस, वोल्यूम (4) नं0 10

शर्मा, मीना (2005) ''शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के सामाजिक आर्थिक स्तर, नैतिक मूल्यों व आकाँक्षा स्तर का तुलनात्मक अध्ययन'' शिक्षा विभाग, राजस्थान वि0वि. जयपुर

Copyright © 2018, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies